National Seminar

Magadh Mahila College, Patna

Date: -15/16 May 2024



Day 1

Magadh Mahila College has organized a National Seminar in collaboration with Patna Law College hybrid mode on topic on "IPR issues and challenges" on 15th May & 16th May 2024. On the first day, the seminar was inaugurated by lighting of lamp by the chief guest Prof. K.C. Sinha, VC, Patna University; guest of honour Prof. Dolly Sinha Ex-Pro-VC of Patna University & LNMU Darbhanga; Prof. Namita Kumari Principal, Magadh Mahila College, Patna and Prof. Vani Bhushan, Principal, Patna Law College along with the Convenor of the Seminar Prof. Pushpalata Kumari. Other dignitaries which were present in the inauguration session were Prof. S.C Roy, Dean Research and Development, CNLU; Prof Anil Kumar, DSW Patna University; Prof. Parimal Khan; Prof. Anju Srivastava; Prof. Suheli Mehta, HOD, Department of Home Science, PU and Dr. Salim Jawed, Director DDE, PU. Principal, Magadh Mahila College, Patna felicitated and welcomed the dignitaries. After the felicitation of the dignitaries, Prof. K.C. Sinha

(VC, Patna University), Prof. Namita Kumari (Principal, Magadh Mahila College, Patna) and Prof. Vani Bhushan (Principal, Patna Law College) addressed the participants and discussed the importance of IPR and its application in academics. In the first technical session, Prof. (Dr.) Dolly Sinha, Ex Pro VC Patna University, Patna and LNMU Darbhanga talked about the introduction to IPR & Professional Ethics; Prof. (Dr.) S C Roy, Dean Research and Development, Chanakya Law University, Patna discussed about Relevance of Geographical Indication in the Present Era & Prof. (Dr.) Vani Bhushan, Principal, Patna Law College, Patna University, Patna explained about the Overview of Intellectual Property Rights. In the second technical session, Prof. (Dr.) Khagendra Kumar, Registrar, Patna University, Patna described about the emerging issues of IPR in developing and under developed countries; Dr. Abhishek Kumar, Assistant Professor, Allahabad University informed about the Patent law, Human Rights and access to Medicine and Er. N. Kumutha, Woman Scientist B, IIT Patna discussed about Patent filing Process in India & Role of IPR in higher education.

After that the participants from different colleges presented their paper in oral category. More than 100 students and faculty participated in the seminar. And the day concluded with vote of thanks.









Day 2

On second day of the National Seminar on "Intellectual Property Rights: Opportunities and Challenges" organized by Magadh Mahila College, Patna in collaboration with Patna Law College, Patna, altogether six eminent speakers gave lecture on different aspects of Intellectual Property Rights. In the third technical session, Prof. (Dr.) Tapan Kumar Sandilya, Vice-Chancellor, Dr Shyama Prasad Mukherjee University, Jharkhand; Shri Vijoy Prakash IAS (Retd), Chairman cum CEO AICBV Foundation; Prof. (Dr.) Parimal Khan, Department of Zoology, Patna University, Patna; Dr. Narendra Kumar Arya, Associate Professor, Dept of Political Science, Mahatma Gandhi Central University, Motihari & Dr. Shaiwal Satyarthi ,Faculty of Law, Delhi University were the speakers. They all were felicitated by Prof. (Dr.) Namita Kumari, Principal, MMC, Patna. The session was quite interactive. It was chaired by Shri Vijoy Prakash IAS (Retd), Chairman cum CEO AICBV Foundation & Co-Chaired by Dr. Pushpanjali Khare, Associate Professor,

Dept. of Botany, MMC, Patna. Prof. (Dr.) Parimal Khan acquainted the participants about the Conceptual framework of Intellectual Property Rights and mentioned the need of awareness campaign regarding IP rights. Dr. Narendra Kumar Arya discussed about the 'Politics of IPR' in which he informed about the influential role of corporate in policy making of IPR. Shri Vijoy Prakash also addressed the academic gathering and focused on the establishment of incubation center established in Bihar Vidyapith, Patna. Prof. (Dr.) Namita Kumari, Principal, MMC, Patna informed about the innovation related mentoring and training program for the students in her college and motivated the students to acquire knowledge from the surrounding. Prof.(Dr.) Tapan Kumar Sandilya, Vice-Chancellor, Dr Shyama Prasad Mukherjee University, Jharkhand described about the "Unlocking Innovation, Navigating the world of IPR – Copyrights and Patents". In his lecture, he highlighted the problems faced by teachers in relation to IPR and suggested the role of universities in policy drafting and providing aids to teachers for patents. The last speaker of the session Dr. Shaiwal Satyarthi discussed about the issues and challenges of Artificial Intelligence and Copyright Law in India.

In the fourth technical session, Dr. Preetham Balakrishnan, Tamil Nadu National Law School, Trichy, India spoke about issues and concerns regarding Artificial Intelligence and Intellectual Property Rights. In his lecture, he talked about the problems to be faced in future for policy framework applicable to IPR on inventions, discoveries and literary resource created by AI. The session was chaired by Dr. Salim Jawed, Assistant Professor (Senior Scale), Faculty of Law, Patna University, Patna and Co-chaired by Dr. Shipra Prabha, Dept. of Hindi, Magadh Mahila College, Patna.

In between the sessions more than 50 participants shared their views by oral and poster presentation both online and offline. The seminar concluded with valedictory session. The chief guests of the valedictory session were Prof. (Dr.) Deepti Kumari, Member, BPSC, Patna and Prof. Rajneesh Kumar, Proctor, Patna University, Patna.















मगध महिला कॉलैज

छात्र-छात्राओं को पेटेंट कानून व मानवाधिकार की जानकारी दी



सिटी रिपोर्टर, पटना।

मगध महिला कॉलेज में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट मुद्दे और चुनौतियां विषय पर हाइबिड मोड (ऑनलाइन व ऑफलाइन) में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। बुधवार को सेमिनार का उद्घाटन पीयू के वीसी केसी सिन्हा, पीयू की पूर्व प्रो वीसी डॉली सिन्हा, कॉलेज की प्राचार्या प्रो निमता कुमारी और पटना लॉ कॉलेज के प्रो वाणी भूषण ने किया। पहले दिन की संयोजक कॉलेज की प्रो पुष्पलता कुमारी थीं। पहले तकनीकी सत्र में प्रो. डॉली सिन्हा ने आईपीआर और व्यावसायिक नैतिकता के परिचय के बारे में बात की। इलाहाबाद विवि के सहायक प्रो अभिषेक कुमार ने पेटेंट कानून, मानवाधिकार,चिकित्सा और इआर तक पहुंच के बारे में जानकारी दी। आईआईटी पटना की महिला वैज्ञानिक बी एन कुमुथा ने भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया और उच्च शिक्षा में आईपीआर की भूमिका के बारे में चर्चा की। चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी के डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट के प्रो एस सी रॉय ने वर्तमान युग में भौगोलिक संकेत की प्रासंगिकता के बारे में चर्चा की। सेमिनार में 100 से अधिक छात्र-छात्रा और शिक्षकों ने भाग लिया।

विशेषज्ञ बोले- विश्वविद्यालय से पेटेंट के लिए शिक्षकों को मिलनी चाहिए सहायता

से पटना लॉ कॉलेज के सहयोग से आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकारः अवसर और चुनौतियां" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। इसके दूसरे दिन कुल मिलाकर छह प्रतिष्ठित वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया। तीसरे तकनीकी सत्र में झारखंड के प्रो तपन कुमार सांडिल्य, विजय आईएएस(सेवानिवृत्त), मोतिहारी के डॉ नरेंद्र कुमार, डीयू से डॉ शैवाल सत्यार्थी ने अपने विचारों का रखा। वक्ताओं ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के वैचारिक ढांचे से परिचित कराया

अभियान जागरूकता आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने एआई के नीति निर्माण में कॉरपोरेट की प्रभावशाली भूमिका के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने अपने व्याख्यान में, उन्होंने आईपीआर के संबंध में शिक्षकों के सामने आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला और नीति मसौदा तैयार करने और पेटेंट के लिए शिक्षकों को सहायता प्रदान करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका का सुझाव दिया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो निमता कुमारी ने अपने कॉलेज में छात्रों के लिए नवाचार संबंधी सलाह और प्रशिक्षण कार्यक्रम के

बारे में जानकारी दी और छात्रों को आसपास से ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।चौथे तकनीकी सत्र में डॉ. प्रीतम बालकृष्णन तमिलनाडु नेशनल लॉ स्कूल, त्रिची अ भारत ने ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बौद्धिक संपदा अधिकारों प से संबंधित मुद्दों और चिंताओं के स बारे में बात की। अपने व्याख्यान उ में उन्होंने एआई द्वारा निर्मित टे आविष्कारों, खोजों और साहित्यिक संसाधनों पर आईपीआर पर लागू क्ष नीति ढांचे के लिए भविष्य में आने व वाली समस्याओं के बारे में बात इ की। सत्र की अध्यक्षता डॉ. सलीम जावेद और सह-अध्यक्षता डॉ. ग शिप्रा प्रभा ने की।

एमएमसी में राष्ट्रीय सेमिनार में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग



पटना. मगध महिला कॉलेज की ओर से पटना लॉ कॉलेज के सहयोग से आयोजित 'बौद्धिक संपदा अधिकार : अवसर और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का गुरुवार को समापन हो गया. इसके दूसरे दिन कुल मिलाकर छह प्रतिष्ठित वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया. तीसरे तकनीकी सत्र में झारखंड के प्रो तपन कुमार शांडिल्य, विजय प्रकाश आइएएस (सेवानिवृत्त), मोतिहारी के डॉ नरेंद्र कुमार, डीयू से डॉ शैवाल सत्यार्थी ने अपने विचारों का रखा, वक्ताओं ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के वैचारिक ढांचे से परिचित कराया और आइपी अधिकारों के संबंध में जागरूकता अभियान की आवश्यकता का उल्लेख किया. उन्होंने आइपीआर के नीति निर्माण में कॉपेरिट की प्रभावशाली भूमिका के बारे में जानकारी दी. वक्ताओं ने अपने व्याख्यान में, उन्होंने आइपीआर के संबंध में शिक्षकों के सामने आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला और नीति मसौदा तैयार करने और पेटेंट के लिए शिक्षकों को सहायता प्रदान करने में विवि की भूमिका का सुझाव दिया.

पट दिल

प्रस

आ

के

एव

का

कि

हो

परि

भी

यु

पूर्व

दार

कि

निर

वैइ

कि

जी

वा

पि

गर्ड

जा

अ

कु

बौद्धिक संपदा अधिकार पर जागरूकता अभियान चले

राष्ट्रीय संगोष्ठी

षटना, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय संगोष्ठी में गुरुवार को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। मौका था मगध महिला कॉलेज व पटना लॉ कॉलेज की ओर से 'बौद्धिक संपदा अधिकारः अवसर और चुनौतियां' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन का।

अंतिम दिन छह वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया। बीपीएससी की सदस्य डॉ. दीप्ति कुमारी और पीय के प्रॉक्टर प्रो. रजनीश बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। पीयू के प्राणीशास्त्र विभाग के डॉ. परिमल खान ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकार के वैचारिक ढांचे से परिचित कराया। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि मोतिहारी के राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रो. नरेंद्र कुमार आर्य ने आईपीआर के नीति निर्माण में कॉपीरेट की प्रभावशाली भूमिका के बारे में जानकारी दी। सेवानिवत्त आईएएस और एआईसीबीवी फाउंडेशन के सीईओ विजय प्रकाश ने बिहार विद्यापीठ, पटना

समस्याओं के बारे में बताया

नेशनल लॉ स्कुल त्रिची तमिलनाडु के डॉ . प्रीतम बालाकुष्णन ने एआई द्वारा निर्मित आविष्कारों, खोजों और साहित्यिक संसाधनों पर आईपीआर पर लागु नीति ढांचे के लिए भविष्य में आने वाली समस्याओं के बारे में बात की। एमएमसी की प्राचार्या डॉ. निमता कुमारी ने अपने कॉलेज में छात्रों के लिए नवाचार संबंधी सलाह और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और छात्रों को आसपास से ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। 50 से अधिक प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से विचार साझा किए। मौके पर डॉ. सलीम जावेद, डॉ. शिप्रा प्रभा, डॉ. पृष्पांजिल खरे समेत अन्य मौजूद रहे।

में स्थापित इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि झारखंड के कुलपित डॉ. तपन शांडिल्य ने अनलॉकिंग इनोवेशन, नेविगेटिंग द वर्ल्ड ऑफ आईपीआर-कॉपीराइट्स व पेटेंट्स के बारे में बताया। दिल्ली विवि के विधि संकाय के डॉ. शैवाल सत्यार्थी ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कॉपीराइट कानून के मुद्दों और चुनौतियों के बारे में चर्चा की।

र्न

11

विभिन्न करेंगे। व गौरव प्रवाल,

कुमार

स्थान गंज में हजार ही है। वनाएं ती के ग्रा है। ज्ञान

से

में से